ऐपण कला में तकनीकी नवाचार के द्वारा आर्थिक सशक्तिकरण की महत्वपूर्ण पहल

विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में संचालित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद की एस सी एस पी परियोजना के अंतर्गत उत्तराखंड की ऐपण कला में तकनीकी नवाचार द्वारा महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण विषय पर 10–दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण 18 से 27 सितंबर 2025 तक उत्तराखंड की पारंपरिक ऐपण कला में कौशल संवर्धन एवं तकनीकी नवाचार द्वारा आर्थिक सशक्तिकरण हेतु समन्वयन विषय पर आयोजित हुआ जिसमें बने हुए ऐपण कला द्वारा सुसज्जित मूल्य संवर्धित उत्पादों की प्रदर्शनी 29 सितंबर से 1 अक्टूबर 2025 तक लगाई गई। इसमें प्रशिक्षणार्थियों ने ऐपण कला द्वारा मूल्य संवर्धित उत्पाद बनाने की प्रक्रिया को विस्तार से समझा तथा इस कला को स्टील के बर्तनों, लकड़ी की चौकियों, कपड़े, कागज आदि पर खूबसूरती से उकेरा।

प्रशिक्षणार्थियों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति डा. मनमोहन सिंह चौहान ने कहा कि ऐपण कला जो कि उत्तराखंड की एक पारंपरिक अनुष्ठान एक कला है, वर्तमान समय में स्वावलंबन का महत्वपूर्ण आधार स्तंभ बन चुकी है। विभिन्न अवसरों पर ऐपण कला द्वारा सुसज्जित वस्तुएं जैसे पूजा के थाल, पूजा की चौकियां, कपड़े पर इसका प्रयोग करके बनाए हुए स्टॉल, कुर्ते, गिफ्ट सामग्री, नेम प्लेट, घड़ियां, स्पेस डिवाइडर आदि अत्यंत आकर्षक होने के साथ–साथ हमारी पारंपरिक कला को जीवंत बनाए रखते हैं। स्थानीय बाजार से लेकर अंतर्राष्ट्रीय बाजारों में भी इस कला के उत्पादों की बहुत मांग है। कुलपति डा. चौहान ने प्रतिभागी महिलाओं के उत्पादों की सराहना करते हुए कहा कि पारंपरिक कला को आधुनिक तकनीक से जोड़ना न केवल आत्मनिर्भरता व रोजगार के अवसर प्रदान करेगा, बल्कि सांस्कृतिक धरोहर को भी संरक्षित करेगा। उन्होंने सभी प्रशिक्षार्थियों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए बधाई और शुभकामनाएँ दीं।

परियोजना समन्वयक डा. छाया शुक्ला एवं सह परियोजना समन्वयक डा. संध्या रानी के मार्गदर्शन में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर अधिष्ठाता कृषि विज्ञान महाविद्यालय डा. सुभाष चंद्रा, निदेशक संचार डा. जे.पी. जायसवाल, निदेशक प्रसार शिक्षा डा. जितेंद्र क्वात्रा, अधिष्ठाता सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय डा. अल्का गोयल एवं संकाय सदस्य डा. अनीता रानी, डा. अदिति वत्स, डा. शेफाली, डा. अनुपमा पांडे के साथ ही डा. पूनम, पूजा, गरिमा, मान्या, प्रमिला, नेहा, दीक्षा सहित कई महिलाएँ मौजूद रहीं।